किसान गोष्ठी का आयोजन

भा. कृ. अ. प.– भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, हिमाचल चरागाह भूमि पालमपुर द्वारा परनाल, मेहरी काथला, जिला बिलासपुर (हि.प्र.) में जून 26, 2017 को किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। किसान गोष्ठी में 400 से ज्यादा किसानों/पशुपालकों ने भाग लिया। किसान गोष्ठी में ज्यादातर महिला किसान उपस्थित रहीं। गोष्ठी के आरम्भ में हिमाचल चरागाह भूमि, पालमपुर के प्रभारी डॉ. सुदेश राडोत्रा ने मुख्य अतिथि, श्री सुरेश चंदेल, पूर्व सांसद एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की नियामक समिति के सदस्य, किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों का स्वागत किया। डॉ. सुदेश राडोत्रा ने किसानों को हरे चारे की महत्ता, देश एवं प्रदेश में इसकी कमी एवं विभिन्न चारा फसलों की जानकारी दी। इस कार्यक्रम में डॉ. सुदेश राडोत्रा, डॉ. तेजवीर सिंह, डॉ. बीरबल सिंह और डॉ. विनोद शर्मा द्वारा चारा उत्पादन, संरक्षण और पशुपोषण की विभिन्न वैज्ञानिक तकनीकियों की विस्तृत जानकारी किसानों को दी, एवं पशुपालन और चारा फसलों से सम्बन्धित समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। इस मौके पर महिला किसानों ने गोष्ठी में काफी दिलचस्पी दिखाई और प्रश्नोतरी में हिस्सा लिया। वैज्ञानिकों ने किसान भाई-बहनों के प्रश्नों के उत्तर दिए एवं कहा कि अगर भविष्य में कोई प्रश्न चारा या चरागाहों से सम्बन्धित हो तो दूरभाष से भी सम्पर्क किया जा सकता है। इस मौके पर उपस्थित सभी किसानों को चारा फसलों और घासों की उन्नत प्रजातियों के बीजों एवं चारा उत्पादन तकनीकियों के प्रचार पत्रों का वितरण भी किया गया। किसान गोष्ठी में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की नियामक समिति के सदस्य एवं पूर्व सांसद श्री सुरेश चंदेल, मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में कहा की कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किये गए शोध को किसानों तक पहुँचाने के लिए किसान गोष्ठीयों का आयोजन आवश्यक है। श्री चंदेल ने चारा अनुसंधान के पालमपुर केन्द्र से आये वैज्ञानिकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. बीरबल सिंह ने किसानों को गोष्ठी में भाग लेने और श्री सुरेश चंदेल को बतौर मुख्य अतिथि पधारने के लिए एवं आये हुए किसान भाई और बहनों को विशेष धन्यवाद दिया।